श्रावक के बारह व्रत

युवालोक पो.बो. नं. 96, लाडनूं-349306 (राज.)
फोन-01581-222914

www.terapanthinfo.com

सधार्मिक बंधुवर,

सादर जय जिनेन्द्र ।

इस अवसर्पिणी काल के अन्तिम तीर्थंकर भगवान महावीर ने लगभग अढ़ाई हजार वर्ष पूर्व आज की आवश्यकता का आकलन करते हुए बारह व्रतों का प्रतिपादन किया ।

हम सभी मोक्ष में विश्वास करते हैं, कर्म में विश्वास करते हैं, त्याग व संयम का महत्व स्वीकारते हैं । यद्यपि व्यक्ति की क्षमता के विकास की तरतमता के कारण सभी पूर्ण संयमी जीवन नहीं जी सकते तथापि आंशिक संयम तो हर कोई स्वीकार कर ही सकता हैं, यही व्रत है, इसके १२ प्रकार हैं ।

परम सौभाग्य से आचार्य महाश्रमण अमृत महोत्सव के अवसर पर चारित्राचार के अन्तर्गत अ.भा.तेयुप को अपनी शाखा परिषदों के माध्यम से अधिकाधिक १२ व्रती श्रावक बनानें का महत्वपूर्ण दायित्व मिला है । आज के इस भौतिक युग में भी व्रत की महत्ता है । ऐच्छिक आगारों (अपवाद) के साथ अपने अपने सामर्थ्य के अनुसार हम सभी सलक्ष्य स्वयं बारह व्रती बनें एवं अपने परिवार व समाज के साधार्मिक बंधुओं / बहिनो को भी इसके लिए प्रेरित करें । बारह व्रत पुस्तक में संलग्न प्रपत्र भरकर संयोजकीय कार्यालय भिजवायें ।

इस फोल्डर के साथ बारहव्रत की पुस्तक आपको भेजी जा रही है । पुस्तक का अध्ययन करने के पश्चात् बारहव्रत को समझ पूर्वक स्वीकार करने का प्रयास करे ।

यह न केवल हमारे जीवन का महत्वपूर्ण सुखद पड़ाव होगा,अपितु पूज्यप्रवर के प्रति अमृत महोत्सव के अवसर पर सच्चा उपहार होगा।

अत्यन्त आदर सहित

गौतमचंद डागा	रमेश सुतरिया	प्रफुल्ल बैंताला	प्रदीप बोथरा
अध्यक्ष	महामंत्री	पर्यवेक्षक	संयोजक

चरणों को गतिमान बनाएं, सपनो को साकार बनाएं।

श्रावक के बारह व्रत

अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद

www.terapanthinfo.com

संदेश

जैन वाड़मय में कहा गया है -

अधुवं जीवियं नच्चा, सिद्धि मग्गं वियाणिया ।
विणियट्टेज्ज भोगेसु, आउं परिमियमपणो ।।

जीवन अनित्य है और संसार के जो कष्ट है उनसे मुक्त होने के लिए मोक्ष मार्ग पर चलना आवश्यक है । मोक्ष मार्ग पर चलने के लिए भोग का संयम करना आवश्यक है और हमारा आयुष्य भी सीमित है । देह अस्थायी है, आत्मा स्थायी है । स्थायी आत्म कल्याण के लिए मनुष्य को प्रयत्नशील होना चाहिए । उत्तम बात यह है कि कोई गृहस्थ त्यागी बनकर साधु बन जायें परन्तु सबके लिए साधु बनना संभव नहीं लगता । तो गृहस्थ रहकर अगार धर्म का पालन करें, श्रावक के बारह व्रत का अनुपालन करें ।

बारह व्रतों को समझना श्रावक के लिए अपेक्षित है और एक परिकल्पना का निश्चय किया गया कि श्रावक समाज को बारह व्रतों के बारे में जानकारी मिले और जानकारी करके श्रावक उस दिशा में आगे बढ़ सके ।

अमृत महोत्सव के संदर्भ में अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद् को बारहव्रती श्रावक - श्राविकाएं बनाने हेतु अभियान चलाने का दायित्व सौंपा गया है । युवा शक्ति पूरे वर्ष सक्रियता से इस कार्य में लगकर तेरापंथी परिवारों में अधिक से अधिक बारह व्रती श्रावक-श्राविका बनाने का प्रयास करें । यह कार्य अपने आप में ठेस और उपयोगितापूर्ण हो सकेगा ।

आचार्य महाश्रमण

व्रत क्या ?

प्रवृत्ति से निवृत्ति की ओर यात्रा का नाम है - व्रत । सीमांकन का नाम है - व्रत । आत्मा को मलीनता से बचाने हेतु जो संकल्प किये जाते हैं वो हैं - व्रत ।

व्रत क्यों ?

किसी भी प्रवृत्ति का निरोध किये बिना निवृत्ति की ओर जाना संभव नहीं है । जब तक बाहर की गंदगी को अंदर आने से नहीं रोकेंगे तब तक अंदर की गंदगी को साफ करना असंभव है । भगवान महावीर ने अणगार व अगार धर्म का प्रतिपादन किया, धर्म में बहुत अधिक आस्था के बावजूद आचरण की शक्ति कम हो तो अगार धर्म को स्वीकार करना चाहिए ।

श्रावकत्व की आराधना के लिये व्रत जरुरी है, संकल्प से व्यक्ति की साधना पुष्ट होती है । हम व्रत के कारण बहुधा विभिन्न विपदाओं एवं गलत आचरण से बच जाते हैं । आत्मा की शुद्धता को बनाए रखने के लिये व्रत रुपी ताला अपने जीवन में अत्यावश्यक है । सम्यक्त्व की पुष्टि के बाद दूसरी भूमिका है - व्रत दीक्षा ।

उपभोक्ता मूल्यो वाले इस युग में भी व्रतों को अनुष्ठान के रुप में स्वीकार कर के युगीन खतरों के बीच में भी हम अपने अस्तित्व को सुरक्षित रख सकते हैं ।

व्रत कैसे ?

महाव्रतधारी साधु का जीवन हर किसी के लिये संभव नही है । इसीलिए भगवान महावीर ने श्रावक के लिये अगार धर्म का प्रतिपादन किया । हम पूरी तरह संयमी जीवन नहीं जी सकते पर असंयम की सीमा तो कर ही सकते है । अस्तु अणुव्रत, गुणव्रत और शिक्षाव्रत रूपी बारह व्रत ही व्रत दीक्षा है ।

www.terapanthinfo.com

अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद्

पंजीकृत कार्यालय : 'युवालोक' पो. बा. नं. 16, लाडनूँ-341 306 (राज.), फोन : 01581-222114

गौतमचन्द डागा	रमेश सुतरिया
अध्यक्ष	महामंत्री
09444407423	09324221648

अध्यक्ष / मंत्री

तेरापंथ युवक परिषद्

सादर जय जिनेन्द्र !

आशा है आप सानन्द होगे । आपके क्षेत्र में विराजित समस्त चरित्रात्माओं को हमारी सविधि वन्दना अर्ज करावें ।

वर्ष 2011-12 आचार्य श्री महाश्रमणजी का 50 वाँ जन्म वर्ष अमृत महोत्सव के रूप में समायोजित किया जा रहा है । आचार्य महाश्रमण अमृत महोत्सव के उपलक्ष में निर्धारित करणीय कार्य पंचाचार की आराधना है । चारित्राचार के अर्न्तगत अधिकाधिक बारहव्रती श्रावक बनाने व उनके जीवन परिचय के संकलन तथा प्रचार प्रसार करने का गुरूतर दायित्व अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद् को मिला है ।

इसी क्रम में सभी शाखा परिषदों से अपेक्षा है कि तेरापंथ समाज के प्रत्येक परिवार से बारहव्रती श्रावक - श्राविकाओं की जानकारी प्राप्त कर उनके जीवन परिचय प्रपत्र भरकर संयोजकीय कार्यालय भिजवायें तथा आचार्य श्री का मंगल संदेश प्रत्येक परिवार तक पहुँचाने का सलक्ष्य प्रयास करें । बारहव्रती अभियान को गति देने हेतु आप अपने क्षेत्र में बारहव्रत कार्यशाला आयोजित करवाने के लिए पर्यवेक्षक / संयोजक से सम्पर्क कर सकते है ।

पत्र के साथ व्रत दीक्षा की पुस्तक, फोल्डर तथा जीवन परिचय प्रपत्र भिजवाये जा रहे है । अपेक्षानुसार आप और भी मंगवा सकते है ।

आत्म कल्याण के इस पुनीत कार्य में आपकी कर्मठ्ता न केवल आपके लिए कर्म निर्जरा का हेतु बनेगी अपितु समाज में त्याग, संयम व अनासक्त चेतना की जीवन शैली के विकास मे सहायक होगी । पूज्यप्रवर की श्रावक कार्यकर्ता की परिकल्पना को साकार करने में आप सहयोगी बनेगें, ऐसा विश्वास है । इसी आशा और विश्वास के साथ....

सादर

पर्यवेक्षक
प्रफुल्ल बैताला
GMB Marble Pvt. Ltd.
NH-5, Near Durga Chowk,
Sikharpur, Cuttack - 753003
Ph. : 0671-2444013/9337267213

संयोजक
प्रदीप बोथरा
बारह व्रत अभियान (अ.भा.ते.यु.प.)
प्रदीप बोथरा एण्ड कम्पनी
सत्यारनायण मन्दिर मार्केट, पी.एन.बी. बैंक रोड़,
रायसिंहनगर-335051, जिला-श्रीगंगानगर (राज.)
09414091960

ई मेल : abtyp12vrat@gmail.com

।। चरणो को गतिमान बनाएं, सपनों को साकार बनाएँ ।।

अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद्

सेवा संस्कार संगठन

बारहव्रती श्रावको की निर्देशिका बनाने हेतु एक निवेदन

सभी तेयुप, महिला मंडल व सभा के कार्यकर्ताओ से

आचार्य महाश्रमण अमृत महोत्सव

बारह व्रती श्रावकों का जीवन परिचय

जैन धर्म में बारह व्रती श्रावकों का विशेष स्थान है। बारह व्रती श्रावकों के जीवन में व्रतो को स्वीकार करने के बाद उनके अनुभव एवं उनके परिचय का संकलन किया जा रहा है। अत: जिन श्रावको ने 12 व्रत स्वीकार किए है उनके परिचय पत्र भरकर भिजवाए, सादर निवेदित हैं। आचार्य श्री महाश्रमण अमृत महोत्सव के उपलक्ष में यह दायित्व अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद को मिला है। संकल्प पत्रों का संकलन व उसका विवरण आचार्यप्रवर के श्री चरणों में प्रस्तुत किया जायेगा। अत: इस हेतु आपका सक्रिय सहयोग अपेक्षित है।

बारह व्रती श्रावक परिचय-पत्र

१.	नाम		उम्र		फोटो
२..	पता				
			पिन कोड		
३	ई-मेल				
४.	फोन / मो.		(ओ)		(का.)
५.	पिता / पति का नाम				
६.	मूल निवासी		शिक्षा		
७.	प्रेरक का नाम				
८.	त्याग कराने वाले चारित्रात्मा का नाम			स्थान	
	12 व्रत स्वीकार करने की तारीख				
९	परिवार में 12 व्रती सदस्यों के नाम और संबंध				
१०	आपके जीवन में क्या बदलाव आया ?				
११	सुझाव				
१२	आप धर्मसंघ के लिए कैसे सहयोगी बन सकते है ?				
१३	प्रेषक संगठन का नाम : तेयुप/तेमम/ तेरापंथ सभा (✓)				
	स्थान :	दिनांक			

हस्ताक्षर

निवेदक

अध्यक्ष	**महामंत्री**	**पर्यवेक्षक**	**संयोजक**
गौतम चन्द डागा	रमेश सुतरिया	प्रफ्फुल बेताला	प्रदीप बोथरा
9444407423	9324221648	9337267213	9414091960

ई-मेल - abtyp12vrat@gmail.com

प्रपत्र भेजने का पता

संयोजक - बारह व्रत अभियान (अ.भा.ते.यु.प.)

प्रदीन बोथरा एण्ड कम्पनी

सत्यनारायण मन्दिर मार्केट, पी.एन. बी. बैंक रोड़,

रायसिंहनगर - 335051, श्रीगंगानगर (राजस्थान)

॥ चरणों को गतिमान बनाएं सपनों को साकार बनाएं ॥

नोट : आवश्यकता अनुसार परिचय-पत्र और मंगवा सकते है या फोटो स्टेट भी करवा सकते है।

www.terapanthinfo.com

अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद्

पंजीकृत कार्यालय : 'युवालोक' पो. बा. नं. 16, लाडनूँ-341 306 (राज.), फोन : 01581-222114

सम्माननीय शाखा प्रभारी, समस्त तेरापंथ युवक परिषदें **दिनांक : 08.07.2011**

सादर जय जिनेन्द्र !

आशा है आप गुरुकृपा से सानन्द स्वस्थ होगें । आपके क्षेत्र में विराजित समस्त चारित्रात्माओं को हमारी वन्दना अर्ज करे व सुखसाता पूछावें ।

बारह व्रत कार्यशाला

व्रत जीवन परिष्कार की प्रक्रिया है । व्रत केवल सिद्धान्त ही नहीं बल्कि एक जीवनशैली है और जीवन का सुरक्षा कवच । इनको स्वीकार करने से ऊर्जा प्राप्त होती है शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य प्राप्त होता है । व्रत व्यक्ति को बुराईयों से बचाता है । महाव्रतधारी साधु का जीवन हर किसी के लिए संभव नहीं है, इसलिए भगवान महावीर ने श्रावक के लिए आगार धर्म का प्रतिपादन किया । हम पूरी तरह संयमी जीवन नहीं जी सकते पर असंयम की सीमा तो कर ही सकते है । अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद् पूज्यवर के दिशानिर्देश में देश-विदेश में फैली अपनी शाखा परिषदों के माध्यम से व्रत चेतना जागरण का विशेष प्रयास **31 जुलाई, 2011** को बारह व्रत कार्यशालाओं के माध्यम से करने जा रही है । इस संदर्भ में अपेक्षित है कि -

1. शाखा परिषदें इस दिन आवश्यक रूप से बारह व्रत की कार्यशाला आयोजित करें, जहाँ चारित्रात्माएँ हों, वहाँ कार्यशाला उनके सान्निध्य में हो ।
2. केन्द्रीय परिषद् द्वारा प्रेषित सीडी को प्रवचन में दिखाया जाए एवं कार्यक्रम में पूरे समाज को आमंत्रित करें ।
3. इस दिन प्रवचन भी इसी विषय पर रखा जाए । जो भी बारह व्रत स्वीकार करना चाहे, उनके जीवन परिचय के फार्म भरवाऐं । भरे हुए फार्म संयोजक के पते पर भिजवाने की व्यवस्था करें -

हमें आशा ही नहीं अपितु पूर्ण विश्वास है कि हमारी सभी शाखा परिषदें अपनी जागरूकता का परिचय देते हुए बारह व्रत कार्यशाला को सफलतापूर्वक सम्पादित करेंगी । बारह व्रत कार्यशाला से सम्बन्धित किसी भी जानकारी के लिए आप पर्यवेक्षक / संयोजक से सम्पर्क कर सकते हैं ।

निवेदक

अध्यक्ष	महामंत्री	पर्यवेक्षक	संयोजक
गौतम चन्द डागा	**रमेश सुतरिया**	**प्रफुल्ल बैताला**	**प्रदीप बोथरा**
09444407423	09324221648	09337267213	09414091960

ई मेल : abtyp12vrat@gmail.com

प्रपत्र भेजने का पता

संयोजक - बारह व्रत अभियान (अ.भा.ते.यु.प.)

प्रदीप बोथरा एण्ड कम्पनी

सत्यनारायण मन्दिर मार्केट, पी.एन.बी. बैंक रोड़,

रायसिंहनगर - 335051, श्रीगंगानगर (राजस्थान)

।। चरणो को गतिमान बनाएं, सपनों को साकार बनाएँ ।।

Name of the Parishad -----------------------		
Date Of The Annual General Meeting ----------------------		
	Name	Mobile No.
President		
Vice President - I		
Vice President - II		
Secretary		
Joint Secretary I		
Joint Secretary II		
Treasurer		
Org. Secretary		
President's Address with Pincode nos.		
Secretary's Address with Pincode nos.		